**Cambridge International Examinations**
Cambridge International General Certificate of Secondary Education

| | |
|---|---|
| CANDIDATE NAME | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| CENTRE NUMBER | | CANDIDATE NUMBER | |

*6581351805*

**HINDI AS A SECOND LANGUAGE** **0549/01**

Paper 1 Reading and Writing **February/March 2016**

**2 hours**

Candidates answer on the Question Paper.

No Additional Materials are required.

**READ THESE INSTRUCTIONS FIRST**

Write your Centre number, candidate number and name on all the work you hand in.
Write in dark blue or black pen.
Do not use staples, paper clips, glue or correction fluid.
DO **NOT** WRITE IN ANY BARCODES.

Answer **all** questions.

The number of marks is given in brackets [ ] at the end of each question or part question.

The syllabus is approved for use in England, Wales and Northern Ireland as a Cambridge International Level 1/Level 2 Certificate.

This document consists of **13** printed pages and **3** blank pages.

DC (NH/SG) 118895/3
© UCLES 2016

CAMBRIDGE
International Examinations

**[Turn over**

## खंड 1

**अभ्यास 1 प्रश्न 1–5**

**'संगीत ने घोला बच्चों की जिंदगी में मिठास' पर निम्नलिखित आलेख पढ़िए तथा दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

दिल्ली विश्वविद्यालय के नामी कॉलेज से पढ़ाई पूरी करने के बाद सिम्मी साइमन ने माँ के प्यार से वंचित बच्चों की जिंदगी में संगीत की मिठास को घोला। उन्होंने 'संगीत रसिक' नाम से अनाथ बच्चों के लिए एक संस्था बनाई है। इस संस्था का प्रमुख उद्देश्य बच्चों को कला के माध्यम से संगीत के मैदान में उतारना है। सिम्मी कहती हैं कि ये बच्चे मुझ में अपनी माँ की परछाईं देखते हैं। मुझे भी खुशी होती है कि मैं इन बच्चों के लिए कुछ कर पा रही हूँ।

सिम्मी के दोस्तों को मालूम था कि दिल्ली विश्वविद्यालय से निकलकर वह आसानी से अपना भविष्य सुनहरे रास्ते पर ले जा सकती हैं। लेकिन जब उन्होंने अनाथ बच्चों के बारे में 'संगीत रसिक' की योजना अपने दोस्तों के सामने रखी। उस समय उनके अधिकांश दोस्तों को लगा था कि ये सब कुछ वह लोकप्रियता पाने के लिए कर रही हैं। हालांकि कुछ दोस्तों के विचार अलग थे। उनका मानना था कि "कुछ दिनों का भूत सिर पर सवार है जो जल्द ही उतर जाएगा। जिंदगी में पैसा कमाना भी ज़रूरी है। पैसा कैसे कमाओगी?" लेकिन सिम्मी ने हार नहीं मानी और उन्होंने कहा "क्योंकि मैंने यह देखा कि जब ये बच्चे माँ-बाप का साया न होने के बावजूद भी ज़िंदगी में कुछ कर गुज़रने का दम रखते हैं तो इतनी पढ़ाई-लिखाई करने के बाद मैं किसी भी बात को लेकर क्यों डरूँ।"

सिम्मी मानती हैं कि संगीत हर व्यक्ति की ज़िन्दगी में मिठास घोल देता है। ख़ासकर उन लोगों की जिंदगी में ये बसंत की तरह होता है, जो अपनों से दूर होते हैं। सारंगी वादक हरीश वागले ने हमेशा इन बच्चों का प्रोत्साहन बढ़ाया। इन अनाथ बच्चों से जब सिम्मी मिली तो पहला ख़्याल यही आया कि कैसे वह इन बच्चों की जिंदगी को सतरंगी बना सकती हैं? जब सिम्मी ने अपनी योजना को आगे बढ़ाने का इरादा किया तो कई लोगों ने कहा कि संगीत से पेट तो नहीं भरता। हर कोई ए. आर. रहमान जैसा नामी संगीतकार नहीं बन सकता। पर सिम्मी को लगता है कि औपचारिक शिक्षा के साथ-साथ संगीत कला की शिक्षा, बच्चों में आत्मसम्मान और आत्मविश्वास जगाती है। साथ ही यह आपसी संवाद के लिए भी प्रोत्साहित करती है।

'संगीत रसिक' को कई नामी लोगों और दिल्ली के नागरिकों की मदद मिली। आज लगभग 300 बच्चे इस संस्था से जुड़े हुए हैं। गीत गाते ये अनाथ बच्चे आत्मविश्वास और आत्मसम्मान की अनूठी मिसाल बनकर उभरे हैं।

1 सिम्मी साइमन ने किन बच्चों के लिए 'संगीत रसिक' संस्था की स्थापना की?

................................................................................................................................................ [1]

2 किस माध्यम से यह संस्था बच्चों के गुणों को निखारती है?

................................................................................................................................................ [1]

3 'संगीत रसिक' की योजना के बारे में उनके अधिकांश दोस्तों की प्रथम
प्रतिक्रिया क्या थी?

................................................................................................................................................ [1]

4 सिम्मी साइमन के अनुसार संगीत का ज़िंदगी में क्या महत्व है?

................................................................................................................................................ [1]

5 संगीत की शिक्षा के द्वारा जिन विशेषताओं को उभारा जा सकता है।
उनमें से किन्हीं दो को लिखिए।

(i) ........................................................................................................................................ [1]

(ii) ........................................................................................................................................ [1]

[अंक:6]

**अभ्यास 2 प्रश्न 6**

## सुप्रसिद्ध चित्रकारों से मिलने का सुनहरा अवसर

चित्रकला कार्यशाला

आधुनिक कला संग्रहालय, नई दिल्ली।

दूरभाष 00-11-27748952, 00-11-27572835

प्रदेश के स्कूली बच्चे कार्यशाला में चित्रकारी संबंधी अनुभव सीखें और अपने मनचाहे चित्रकार के साथ कार्यशाला में शामिल होने के लिए आवेदन करें।

पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी चित्रकला के प्रति स्कूली बच्चों में उत्साह बढ़ाने के लिए एक सप्ताह की कार्यशाला आयोजित की जा रही है। इस कार्यशाला में स्कूली छात्रों को चित्रकला संबंधी जानकारी मिलेगी। अपने चहेते चित्रकारों से सीखने के साथ उनके चित्रों को देखने का अवसर भी मिलेगा। यह कार्यशाला पूर्णतः निःशुल्क है। पूरा आयोजन आधुनिक कला संग्रहालय द्वारा किया जा रहा है। आयोजनकर्ता उन बच्चों को कार्यशाला में बुलाना चाहते हैं जो चित्रकला के प्रति विशेष रुचि रखते हैं।

नमन की उम्र 16 वर्ष है। वह प्राथमिक विद्यालय से ही चित्र बनाने में विशेष रुचि रखता है। रंगों और चित्रकारी के प्रति उसके आकर्षण को दिशा देने के लिए उसके माता-पिता भी चाहते हैं कि वह चित्रकला संबंधी अनुभव ग्रहण करे। वह स्कूल के सांस्कृतिक आयोजनों के लिए हमेशा योगदान करता है। वह पिछले दो वर्षों की स्कूल चित्रकला प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार जीत चुका है। उसकी चित्रकारी स्कूल पत्रिका में शामिल की गई है। वह रोज़ाना गुप्ता इंटरनेशनल स्कूल जाता है। उसका स्कूल 2 बजे समाप्त होता है। लिहाज़ा, सप्ताह के दौरान वह कार्यशाला में नहीं जाना चाहता। सप्ताहांत में वह दोपहर को संगीत सीखता है इसलिए सुबह का समय सर्वाधिक उचित है। वह दिल्ली शहर के मयूर विहार के 35 नंबर लक्ष्मी अपार्टमेंट में रहता है। उसका ई-मेल है kumar.naman@gmail.com और उसका टेलिफोन न. 011-29836376 है।

आप अपने को नमन मानकर नीचे दिए गए आवेदन पत्र को भरिए।

चित्रकला कार्यशाला

आधुनिक कला संग्रहालय, नई दिल्ली।

दूरभाष 00-11-27748952, 00-11-27572835

आवेदक का नाम...नमन ......

(सही का निशान लगाएं) आयु - 14–15 ☐ 16–17 ☐ 18–19 ☐

ईमेल - ....................................

पूरा पता - .................................................................

.................................................................

.................................................................

निम्नलिखित विकल्पों के माध्यम से बताइए कि आप कब उपलब्ध हैं? [कोष्ठक में सही का निशान लगाएं]

☐ सप्ताह के दौरान।

☐ सप्ताहांत में।

निम्नलिखित अवधियों में से उचित अवधि चुनें। [कोष्ठक में सही का निशान लगाएं]

☐ सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक

☐ दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक

चित्रकला संबंधी किन्हीं दो उपलब्धियों की जानकारी दीजिए

..........................................................................................................................................

..........................................................................................................................................

..........................................................................................................................................

[अंक: 7]

**अभ्यास 3 प्रश्न 7–9**

**'भाषा अनुवादकों की बढ़ती माँग' शीर्षक से निम्नलिखित लेख पढ़िए।**

भूमंडलीकरण के बाद भाषा अनुवादकों या दुभाषियों की मांग तेजी से बढ़ी है। अगर आप इस क्षेत्र में काम करना चाहते हैं तो कैसे भाषा अनुवादक बन सकते हैं? भूमंडलीकरण के बाद जीविका कमाने के कई नए क्षेत्र उभरकर सामने आए हैं। भारत में भी बीते कुछ वर्षों में ऐसे क्षेत्रों का तेजी से विकास हुआ है, जैसे कि भाषा अनुवाद। दुभाषियों की मांग आज निजी कंपनियों से लेकर सरकारी विभागों में भी देखी जा रही है। इस क्षेत्र में आने वाले युवाओं को अच्छे वेतन के साथ-साथ देश-विदेश घूमने का भी पूरा मौक़ा मिलता है। कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों में अलग से दुभाषियों को लिया जाता है। जानकारों के मुताबिक, जैसे-जैसे विदेशी कंपनियों का विस्तार भारत में होगा, दुभाषियों की मांग भी बढ़ती जाएगी।

भाषा संबंधी पाठ्यक्रम की पढ़ाई 12 वीं कक्षा या फिर स्नातक शिक्षा के बाद भी की जा सकती है। कई विश्वविद्यालय और कॉलेज इस तरह के पाठ्यक्रम पढ़ा रहे हैं। अनुवादक का काम महज़ डिग्री और डिप्लोमा से ही नहीं सीखा जा सकता है। इसके लिए निरंतर अभ्यास की भी ज़रूरत पड़ती है। शब्दों के साथ खेलने की कुशलता होनी चाहिए जिसके द्वारा शब्दों का प्रभावी इस्तेमाल किया जा सकता है। अनुवादक दोनों भाषाओं के बीच पुल का काम करता है। लेकिन अनुवाद करने की क्षमता तब तक अधूरी मानी जाएगी जब तक आपको दोनों भाषाओं के सांस्कृतिक व ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का ज्ञान नहीं है।

दुभाषिया बनने के लिए सबसे पहले अपने आपको अनुवादक के तौर पर स्थापित करना होता है। भाषा पर पूरी तरह से पकड़ बनाना बहुत ज़रूरी है। बात चाहे विदेशी फिल्मों की हिंदी या दूसरी भाषा में अनुवाद की हो, प्रतिनिधि मंडल में भाषा को अनुवाद करना हो या सीधे किताबों का अनुवाद करना हो, दुभाषियों की भूमिका अहम नज़र आती है।

दुभाषियों की ज़रूरत कुछ समय पहले तक ज़्यादा नहीं थी, लेकिन हाल के कुछ वर्षों में दुभाषियों की ज़रूरत कई स्तरों पर पड़ने लगी है। सरकार में लोकसभा-राज्यसभा से लेकर विदेश मंत्रालय में दुभाषियों की मांग काफ़ी है। विदेश जाने वाले कई प्रतिनिधि मंडलों में मंत्री अपने साथ अनुवादक को ज़रूर ले जाते हैं। ख़ासतौर पर चीन और कई यूरोपीय देशों जैसेकि जर्मनी, रूस, हालैंड आदि में जाते समय इस बात का ख़ास ख़्याल रखा जाता है कि साथ में दुभाषिये ज़रूर हों। विदेशी कंपनियों को किसी देश में व्यवसाय स्थापित करने के लिए दुभाषियों की ज़रूरत पड़ती है। सैलानियों को भी विशेष जानकारी के लिए दुभाषियों की अहम ज़रूरत होती है। इस क्षेत्र में शुरुआती दौर में वेतन 15 से 20 हजार रुपये होता है। अनुभव हासिल करने के बाद उनका वेतन प्रति माह 30–40 हजार रुपये आसानी से हो सकता है।

**अभ्यास 3 प्रश्न 7–9**

**आपके स्कूल में एक भाषण प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता का विषय है 'भाषा अनुवादकों की बढ़ती माँग' इस लेख में से नीचे दिए गए प्रत्येक शीर्षक के अंतर्गत नोट लिखें जिसपर आपका भाषण आधारित होगा।**

7 दुभाषिया बनने के लिए आकर्षण नज़र आते हैं।

- .................................................................................................................... [1]
- .................................................................................................................... [1]

8 औपचारिक शिक्षा के अतिरिक्त एक कुशल अनुवादक बनने के लिए चाहिए।

- .................................................................................................................... [1]
- .................................................................................................................... [1]
- .................................................................................................................... [1]

9 दुभाषियों के लिए ग़ैर सरकारी क्षेत्रों में बढ़ते अवसर।

- .................................................................................................................... [1]
- .................................................................................................................... [1]

[अंक:7]

**अभ्यास 4 प्रश्न – 10**

**निम्नलिखित आलेख का सारांश लिखिए जिसके द्वारा क्यों समुद्र से डर लगता है? आलेख के आधार पर उन मुख्य बिन्दुओं का समावेश अपने शब्दों में करें।**

**आपका सारांश 100 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।**

**संगत बिन्दुओं के समावेश के लिए 6 अंक और भाषिक अभिव्यक्ति के लिए 4 अंक निर्धारित हैं। पाठांश से वाक्य उतारना उचित नहीं है।**

आम दिनों में समुद्र किनारे के इलाके बेहद खूबसूरत लगते हैं और वे सैलानियों के लिए आकर्षण के मुख्य केन्द्र होते हैं। समुद्र लाखों लोगों को भोजन देता है और लाखों लोग उससे जुड़े दूसरे कारोबारों में लगे हैं। लेकिन जैसा कि हाल में सुनामी या समुद्री भूकंप से उठने वाली तूफानी लहरों के प्रकोप ने एक बार फिर साबित कर दिया है, कुदरत की यह देन सबसे बड़े विनाश का भी कारण बन सकती है। सुनामी, भूकंप और चक्रवात प्राकृतिक आपदाएं हैं, उन्हें मनुष्य रोक नहीं सकता है, लेकिन उनके विनाशकारी असर को कम करने के लिए वह बहुत कुछ कर सकता है। कुदरत को अपने वश में करने का तरीका यही है कि उसके साथ रहना सीखा जाए।

हाल के अनेक चक्रवातों और समुद्री तूफानों से प्रभावित लोग यह बताते हैं कि ये आपदाएं अब अधिक उग्र रूप ले रही हैं। उड़ीसा के तटीय क्षेत्र में इन आपदाओं से प्रभावित लोगों का कहना था कि उन्होंने इस समुद्र में तूफान तो बहुत से देखे हैं, पर इतनी ऊंची लहरें पहले कभी नहीं देखी थीं। चक्रवात या सुनामी तो व्यापक चर्चा का विषय बनते हैं, पर समुद्र की बढ़ती उग्रता के कारण सामान्य समय में भी तटीय क्षेत्रों के लोग जो कष्ट उठाते हैं, वह आमतौर पर देशव्यापी चर्चा का विषय नहीं बनता है।

इस सन्दर्भ में लगभग एक-दो दशकों से मिल रही वे चेतावनियां अब नजरअंदाज नहीं की जा सकती कि जलवायु बदलाव के खतरे के साथ दुनिया भर में समुद्री सतह ऊपर उठ रही है। आरंभिक चेतावनियों में कहा गया था कि समुद्र के जल स्तर में एक मीटर की बढ़ोतरी 30 करोड़ लोगों के जीवन को बुरी तरह प्रभावित कर सकती है। इसका असर 50 लाख वर्ग कि.मी. के क्षेत्र पर पड़ सकता है जिसमें मालदीव जैसे टापू, गंगा तथा नील नदी के डेल्टा जैसे कई महत्वपूर्ण इलाके शामिल हैं। इतना ही नहीं, दुनिया के कुछ सबसे विख्यात महानगरों, जैसे न्यूयॉर्क, लंदन और बैंकॉक के लिए भी विकट समस्या पैदा हो सकती है।

जलवायु के बदलाव के लिए जिम्मेदार ग्रीनहाउस गैसों में अपेक्षित कमी न होने के कारण वैज्ञानिकों ने यह नतीजा निकाला है कि जलवायु बदलाव का सिलसिला अब पहले के मुकाबले तेज़ हो गया है। अब सवाल यह नहीं रह गया है कि जलवायु बदलाव का दौर कब शुरू होगा, बल्कि अब विशालकाय ग्लेशियरों के तेज़ी से पिघलने के कारण समुद्र में अधिक पानी पहुंच रहा है। इस वजह से न केवल चक्रवाती तूफान और सुनामी अधिक विनाशकारी रूप ले सकते हैं, बल्कि सामान्य समय में भी समुद्र का मिज़ाज असहनीय हो सकता है।

© UCLES 2016 

'क्यों समुद्र से डर लगता है'

..........................................................................................................................................

..........................................................................................................................................

..........................................................................................................................................

..........................................................................................................................................

..........................................................................................................................................

..........................................................................................................................................

..........................................................................................................................................

..........................................................................................................................................

..........................................................................................................................................

..........................................................................................................................................

..........................................................................................................................................

..........................................................................................................................................

..........................................................................................................................................

..........................................................................................................................................

..........................................................................................................................................

..........................................................................................................................................

..........................................................................................................................................

..........................................................................................................................................

..........................................................................................................................................

..........................................................................................................................................

..........................................................................................................................................

..........................................................................................................................................

..........................................................................................................................................

..........................................................................................................................................

..........................................................................................................................................

..........................................................................................................................................

[अंक: 10]

© UCLES 2016

## खंड 2

**अभ्यास 5 प्रश्न 11–17**

**निम्नलिखित आलेख को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

भारतीय महिला हाकी टीम की कप्तान माया सिंह को यह पता नहीं था कि राष्ट्रीय टीम में खेलने के लिए पासपोर्ट की भी ज़रुरत होती है। इतना ही नहीं उनका कहना है कि उन्हें तो ये भी नहीं मालूम था कि देश से बाहर जाने के लिए भी पासपोर्ट ज़रूरी होता है। माया की बातों से यह पता चलता है कि देश के छोटे छोटे शहरों से खेलने आए खिलाड़ी बाहर की दुनिया से कितने अनभिज्ञ होते हैं। माया उन दिनों की याद कर शर्मा जातीं हैं और कहती हैं, “छोटे-छोटे शहरों से आने वाले खिलाड़ी कितने नादान होते हैं। बाहर की दुनिया से कितने कटे हुए।”

छत्तीसगढ़ की रहने वाली माया को हाल ही में भारतीय महिला हॉकी टीम का कप्तान चुना गया है। वे पिछले 12 सालों से भारतीय टीम में खेलती आ रहीं हैं जबकि महिला हॉकी में उनका सफ़र 1994 से ही शुरू हुआ था। कई सालों के बाद आज वह जब अपने सफ़र को पीछे मुड़कर देखतीं हैं तो उनकी आँखें भर जाती हैं, “मेरे पापा ने घर के बर्तन बेच कर मेरा पासपोर्ट बनवाया और मेरे खेलने के लिए सामान जुटाया। यह मुझे हमेशा याद रहेगा।”

माया के पिता एक निजी कंपनी में बहुत ही मामूली नौकरी करते थे जो पूरे दिन दफ्तर के काग़ज़ एक विभाग से दूसरे विभाग तक पहुँचाते थे। इसके बदले उन्हें महीने के सिर्फ़ 400 रूपये मिला करते थे। माया घर में सबसे छोटी थीं और स्कूल में ही उन्होंने हॉकी खेलना शुरू कर दिया था। माया कहती हैं, “चूँकि मैं घर में सबसे छोटी थी तो मुझे किसी ने खेलने से नहीं रोका। पापा कहा करते थे इसे खेलने दो जब ये 15 साल की हो जाएगी तो इसका खेलना बंद करवा देंगे।” मगर हुआ यूँ कि खेलते खेलते माया ने रोज़ सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित किए जिसके कारण उन्हें भारतीय रेल में बहुत कम उम्र में ही नौकरी मिल गई। उनका खेलना जारी रहा और जल्द ही उन्हें भारतीय टीम में शामिल कर लिया गया।

पहले वह किराए के मकान में रहती थीं लेकिन 2002 में राष्ट्रकुल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के बाद उन्होंने अपना मकान बनवाया। इस बारे में चर्चा करते हुए उनकी आँखें भर आती हैं। “इतने सालों से खेलते रहने के बावजूद पहली बार 2002 में हमारी जीत के बाद मुझे काफी पैसा मिला। उस पैसे से मैंने अपने और अपने परिवार के लिए एक मकान बनवाया। ये मेरी ज़िन्दगी का सबसे यादगार पल है।” अपने घर के बैठक में रखीं अपनी ट्रॉफियों और मेडलों को दिखाती हुई माया कहतीं हैं कि अगर छोटे शहरों में भी खेलने की व्यवस्था हो जाए, तो हॉकी के खिलाड़ियों की नई पौध सामने आ पाएगी।

**कृपया प्रश्न 11 से 14 तक के उत्तर सही या ग़लत के कोष्ठक में ✓ का निशान लगाकर दीजिए। यदि वाक्य ग़लत है तो उसे पाठांश के आधार पर ठीक कीजिए।**

| | सही | ग़लत |
|---|---|---|
| उदाहरण – माया सिंह को मालूम था कि विदेश यात्रा के लिए पासपोर्ट चाहिए।<br>औचित्य – माया सिंह को यह भी मालूम नहीं था कि बाहर जाने के लिए भी पासपोर्ट ज़रूरी होता है। | ☐ | ✓ |
| 11 माया के अनुसार छोटे शहरों से आने वाले भी चतुर होते हैं।<br>.................................................................................................... | ☐ | ☐ |
| 12 माया सिंह को 12 साल पहले हॉकी टीम का कप्तान चुना गया।<br>.................................................................................................... | ☐ | ☐ |
| 13 माया के पिता सरकारी दफ्तर में मामूली कर्मचारी थे।<br>.................................................................................................... | ☐ | ☐ |
| 14 परिवार में सबसे छोटी सदस्य होने के कारण किसी ने हॉकी खेलने से मना नहीं किया।<br>.................................................................................................... | ☐ | ☐ |

**अब निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

15 माया को खेल में नए मापदंड स्थापित करने का क्या परिणाम मिला?

....................................................................................................

16 जीती धनराशि प्राप्त करके माया भावुक क्यों हो गई?

....................................................................................................

17 नये खिलाड़ियों को हॉकी की तरफ़ प्रोत्साहित करने के लिए माया सिंह ने क्या सुझाव दिया?

....................................................................................................

[अंक: 10]

**अभ्यास 6 प्रश्न 18**

## ख़रीदारी की संस्कृति?

विज्ञापन और बाज़ारी शक्तियां नौजवानों और बच्चों को अपना निशाना बनाती हैं। आकर्षक विज्ञापन और मीडिया का असर अभिभावकों को भी बच्चों की मांग पूरा करने के लिए मज़बूर करता है। आपके स्कूल में एक वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। आप ख़रीदारी की संस्कृति के बढ़ते प्रभाव के पक्ष अथवा विपक्ष में अपने विचार लिखिए। आपका विवरण विषय से संबंधित जानकारी पर केन्द्रित होना चाहिए।

**आपका विवरण 150 से 200 शब्दों से अधिक नहीं होनी चाहिए।**

**लिखित विवरण पर अंर्तवस्तु के लिए 10 अंक और सटीक भाषा के लिए भी 10 अंक निर्धारित हैं।**

....................................................................................................................................................................

....................................................................................................................................................................

....................................................................................................................................................................

....................................................................................................................................................................

....................................................................................................................................................................

....................................................................................................................................................................

....................................................................................................................................................................

....................................................................................................................................................................

....................................................................................................................................................................

....................................................................................................................................................................

....................................................................................................................................................................

....................................................................................................................................................................

....................................................................................................................................................................

....................................................................................................................................................................

....................................................................................................................................................................

....................................................................................................................................................................

....................................................................................................................................................................

....................................................................................................................................................................

....................................................................................................................................................................

© UCLES 2016

...........................................................................................................................................

...........................................................................................................................................

...........................................................................................................................................

...........................................................................................................................................

...........................................................................................................................................

...........................................................................................................................................

...........................................................................................................................................

...........................................................................................................................................

...........................................................................................................................................

...........................................................................................................................................

...........................................................................................................................................

...........................................................................................................................................

...........................................................................................................................................

...........................................................................................................................................

...........................................................................................................................................

...........................................................................................................................................

[अंक: 20]

© UCLES 2016 

**BLANK PAGE**

© UCLES 2016 

**BLANK PAGE**

© UCLES 2016

**BLANK PAGE**

Permission to reproduce items where third-party owned material protected by copyright is included has been sought and cleared where possible. Every reasonable effort has been made by the publisher (UCLES) to trace copyright holders, but if any items requiring clearance have unwittingly been included, the publisher will be pleased to make amends at the earliest possible opportunity.

To avoid the issue of disclosure of answer-related information to candidates, all copyright acknowledgements are reproduced online in the Cambridge International Examinations Copyright Acknowledgements Booklet. This is produced for each series of examinations and is freely available to download at www.cie.org.uk after the live examination series.

Cambridge International Examinations is part of the Cambridge Assessment Group. Cambridge Assessment is the brand name of University of Cambridge Local Examinations Syndicate (UCLES), which is itself a department of the University of Cambridge.